भारत सरकार

वित्त मंत्रालय

आर्थिक कार्य विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 129

(जिसका उत्तर सोमवार, 18 नवम्बर, 2019/27 कार्तिक, 1941 (शक) को दिया जाना है।)

निर्यात पर विमुद्रीकरण का प्रभाव

129. डॉ.के. जयकुमार:

क्या **वित्त मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2014 से वार्षिक वृद्धि दर के साथ वार्षिक निर्यात वृद्धि का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ख) निर्यातों पर विमुद्रीकरण के प्रभाव का वर्ष-वार ब्यौरा क्या है;

(ग) भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा आवश्यक वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को रोकने तथा जीडीपी को बढ़ाने हेतु किए गए नीतिगत उपायों का ब्यौरा क्या है; और

(घ) उक्त उपायों के प्रभाव का ब्यौरा क्या है?

वित्त राज्य मंत्री (श्री अनुराग सिंह ठाकुर)

(क): वर्ष-वार वार्षिक वृद्धि दर सहित वर्ष 2014-15 से डॉलर में निर्यात में वार्षिक वृद्धि का ब्यौरा नीचे तालिका में दिया गया है:

वर्ष/माह	निर्यात अमरीकी बिलियन डॉलर में	वृद्धि %
2014-15	310.3	-1.3
2015-16	262.3	-15.5
2016-17	275.9	5.2
2017-18	303.5	10
2018-19	330.1	8.8
2019-20 (अप्रैल-अक्तूबर) अ.	185.9	-2.2
स्रोत: वाणिज्य विभाग । अ. : अनंतिम		

(ख): देश का निर्यात कई कारकों से प्रभावित हुआ है, जिसमें संरचनात्मक, विदेशी, राजकोषीय और मौद्रिक कारक सम्मिलित हैं। इसलिए, निर्यात पर नोटबंदी के प्रभाव पता लगाना संभव नहीं है।

(ग) और (घ): सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक आवश्यक उत्पादों की कीमतों और जीडीपी की लगातार निकट से निगरानी कर रहे हैं और मजबूत वृहद आर्थिक परिणामों के लिए नीति और नियम तैयार कर रहे हैं।

*****